

16/8/24

पश्चात्तः येन दृष्टि कविवरंता कल्प यथा  
एतन्निप रिपोर्टे लक्ष्मीलक्ष्मण ज्ञातं दृष्टि  
आ० पत्रा - द्यौ मुलात्कि रिपोर्टे लक्ष्मीलक्ष्मण  
वाङ्मय मे वासीक्य ब्रह्म रक्ता वंश्या  
किपा ज्ञा युक्ता श्री एवं उत्तवारी ल० १ काय  
श्री रक्ता दान कर किपा ज्ञा श्री इत  
लिप वर्तमान स्त पत् वाङ्मय मे  
निर्णय किपा ज्ञा संभव जदी श्री कलः  
पुनः दावा उद्भूत करने की इच्छाति  
के साथ वाङ्मय इति स्त पत्  
स्वार्थ किपा ज्ञा श्री पश्चात्तः काल  
दौकल वाङ्मय लक्ष्मीलक्ष्मण ज्ञातं द्यौ

सहायक कलक्टर एवं  
उपखण्ड अधिकारी पीलीबंगा